आबादी

❖ जनसंख्या: इसका महत्व

- *मनुष्य पर्यावरण को समझने के लिए केंद्रीय हैं क्योंकि वे **संसाधनों का उपयोग करते हैं**, समाज का निर्माण करते हैं और प्राकृतिक घटनाओं को अर्थ देते हैं।*
- *उदाहरण: कोयला सिर्फ एक चट्टान है जब तक कि मनुष्य इसे निकालते और उसका उपयोग नहीं करते। बाढ़ या सुनामी केवल तभी आपदाएं होती हैं **जब वे मनुष्यों को प्रभावित करती हैं**।*
- *इसलिए, जनसंख्या सामाजिक अध्ययन में महत्वपूर्ण है। यह हमें संसाधनों, आपदाओं और आर्थिक और सामाजिक प्रणालियों को समझने में मदद करता है।*

❖ भारत की जनसंख्या का आकार

- ***मार्च 2011 तक:** 1,210.6 मिलियन (1.21 बिलियन) लोग।*
- *यह **दुनिया की आबादी का 17% से अधिक है**, जो **दुनिया के 2.4% क्षेत्र में रहता है**।*
- ***सबसे अधिक आबादी वाला राज्य:** उत्तर प्रदेश (199 मिलियन, भारत की आबादी का ~16%)।*
- ***सबसे कम आबादी:** सिक्किम (0.6 मिलियन), लक्षद्वीप (64,429)।*
- ***भारत की आधी आबादी** पांच राज्यों में रहती है: उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश।*
- *क्षेत्रफल के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य राजस्थान में भारत की आबादी का केवल 5.5% हिस्सा है।*

***असमान वितरण का कारण:** भौतिक कारकों **(पहाड़ों, रेगिस्तानों),** जलवायु, मिट्टी की उर्वरता, पानी की उपलब्धता **और** आर्थिक अवसरों **के कारण भिन्न होता है**।*

❖ भारत में जनगणना

- *जनगणना जनसंख्या की आधिकारिक गणना है, जो हर 10 साल में आयोजित की जाती **है**।*
- ***पहली जनगणना:** 1872 (आंशिक), **पहली पूर्ण जनगणना:** 1881।*
- *जनसांख्यिकी, सामाजिक और आर्थिक विशेषताओं **पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है**।*

❖ जनसंख्या घनत्व

- ***जनसंख्या घनत्व** = प्रति वर्ग किलोमीटर लोगों की संख्या।*
- ***भारत का औसत घनत्व (2011):** 382 व्यक्ति/ वर्ग किमी।*
- ***उच्चतम घनत्व:** बिहार – 1,102 व्यक्ति/ वर्ग किमी।*
- ***सबसे कम घनत्व:** अरुणाचल प्रदेश – 17 व्यक्ति/ वर्ग किमी।*
- *केवल **बांग्लादेश और जापान** में भारत की तुलना में अधिक जनसंख्या घनत्व है।*

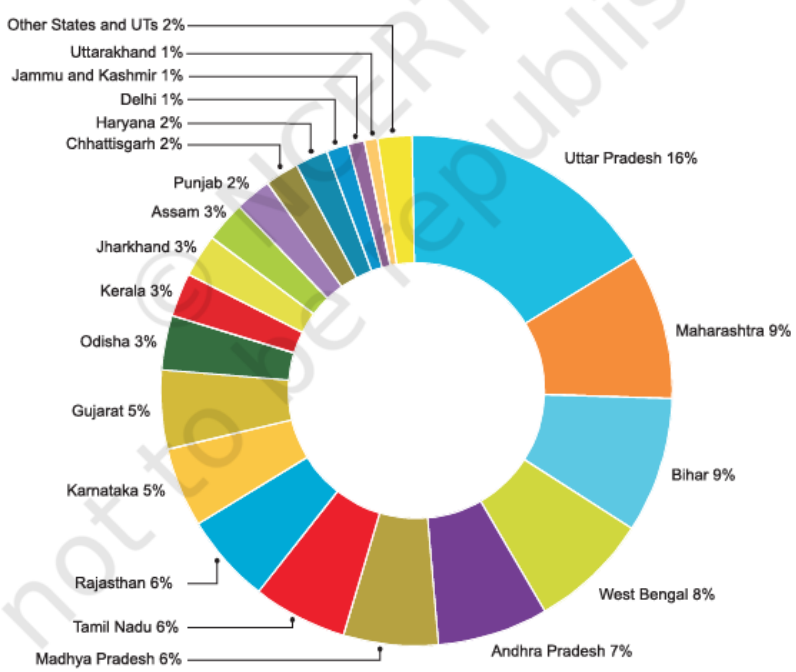

Fig. 6.2: Distribution of Population

❖ भारत में जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या **गतिशील** है - यह जन्म, मृत्यु और प्रवास **के कारण लगातार बदलती रहती है**।

1. जनसंख्या वृद्धि को मापना

जनसंख्या वृद्धि को दो तरीकों से व्यक्त किया जा सकता है:

एक. **पूर्ण वृद्धि** - एक अवधि में जोड़े गए लोगों की कुल संख्या (उदाहरण के लिए, 2001-2011: 135.17 मिलियन)।

दो. **वार्षिक वृद्धि दर** - प्रति वर्ष प्रतिशत वृद्धि (उदाहरण के लिए, 2011 में 1.64%)।

1951-2011 तक अवलोकन:

- भारत की जनसंख्या **1951 में 361 मिलियन से बढ़कर** 2011 में 1,210.6 मिलियन **हो गई**।
- 1981 तक विकास दर लगातार बढ़ी, फिर धीरे-धीरे घटने लगी।
- विकास दर में गिरावट के बावजूद, **प्रत्येक दशक में जोड़ी गई पूर्ण संख्या बड़ी रही** क्योंकि आधार जनसंख्या बहुत बड़ी है।

मुख्य बिंदु: यहां तक कि एक बड़ी आबादी पर कम विकास दर भी बड़ी संख्या में लोगों का उत्पादन करती है।

❖ जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रियाएँ

(a) जन्म दर

- प्रति वर्ष प्रति 1,000 लोगों पर जीवित जन्मों की संख्या।
- भारत में पारंपरिक रूप से उच्च, जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है।

(b) मृत्यु दर

- प्रति वर्ष प्रति 1,000 लोगों पर मौतों की संख्या।
- 1950 के दशक के बाद से मृत्यु दर में गिरावट (बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, स्वच्छता के कारण) तेजी से **जनसंख्या वृद्धि हुई**।

(स) प्रवासन

- **एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में लोगों** का आवागमन।
- प्रकार:
  - **आंतरिक प्रवासन:** भारत के भीतर (जैसे, ग्रामीण → शहरी)।
  - **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन:** देशों के बीच।
- प्रवासन **कुल जनसंख्या को नहीं बदलता** है, लेकिन क्षेत्रों में वितरण और संरचना **(आयु, लिंग) को** बदल देता है।
- भारत में मुख्य प्रवृत्ति: ग्रामीण → शहरी प्रवास **"पुश" कारकों** (गरीबी, बेरोजगारी) और **"पुल" कारकों** (नौकरियों, बेहतर जीवन) के कारण होता है।

शहरी आबादी **1951 में 17.29% से बढ़कर** 2011 में 31.80% **हो गई**। **दस लाख से अधिक शहरों** की संख्या: 35 (2001) → 53 (2011) → 59 (2023)।

❖ किशोर जनसंख्या

- आयु वर्ग: **10-19 वर्ष,** जो भारत की आबादी का 1/5 **हिस्सा है**।
- किशोर देश के **भविष्य के मानव संसाधन** हैं।
- **चुनौतियां:** खराब पोषण, लड़कियों में एनीमिया का उच्च प्रसार।
- **समाधान:** साक्षरता, जागरूकता और पोषण कार्यक्रमों में सुधार करें।

❖ राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (एनपीपी)

- **नियोजित पितृत्व को बढ़ावा देने के लिए** 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम शुरू किया गया था।
- **राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 का** उद्देश्य है:
  I. 14 साल तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा **प्रदान करें**।
  II. प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर शिशु मृत्यु दर को 30 से कम **करना**।
  III. बच्चों के लिए **सार्वभौमिक टीकाकरण** प्राप्त करें।
  IV. लड़कियों के लिए विलंबित विवाह को **बढ़ावा दें**।
  V. परिवार कल्याण को जन-केंद्रित **बनाएं**।

Q. लघु उत्तरीय प्रश्न

(प) वर्ष 1981 से भारत में जनसंख्या वृद्धि की दर में गिरावट क्यों आ रही है?

- परिवार नियोजन कार्यक्रमों, बेहतर शिक्षा और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता के कारण जन्म दर में गिरावट।

BY : NK MISHRA

- *घटती प्रजनन दर ने जनसंख्या वृद्धि को धीमा कर दिया है, हालांकि पहले से ही विशाल जनसंख्या आधार के कारण कुल संख्या बड़ी बनी हुई है।*

(ii) जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख घटकों की चर्चा कीजिए।

I. ***जन्म दर:*** *प्रति वर्ष प्रति 1,000 लोगों पर जीवित जन्मों की संख्या; जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।*
II. ***मृत्यु दर:*** *प्रति वर्ष प्रति 1,000 लोगों पर मौतों की संख्या; मृत्यु दर में गिरावट ने ऐतिहासिक रूप से जनसंख्या वृद्धि में वृद्धि की।*
III. ***प्रवासन:*** *किसी देश के भीतर या बाहर लोगों की आवाजाही; जनसंख्या **वितरण और संरचना को प्रभावित करती है**, समग्र आकार को नहीं।*

(iii) आयु संरचना, मृत्यु दर और जन्म दर को परिभाषित कीजिए।

- ***आयु संरचना:*** *विभिन्न आयु समूहों (बच्चों, किशोरों, वयस्कों, बुजुर्गों) में जनसंख्या का वितरण।*
- ***जन्म दर:*** *एक वर्ष में प्रति 1,000 लोगों पर जीवित जन्मों की संख्या।*
- ***मृत्यु दर:*** *एक वर्ष में प्रति 1,000 लोगों पर मौतों की संख्या।*

(iv) प्रवासन जनसंख्या परिवर्तन का निर्धारक कारक कैसे है?

- *प्रवासन जनसंख्या **वितरण** (ग्रामीण → शहरी) और **संरचना** (आयु, लिंग अनुपात) को बदलता है।*
- *आंतरिक प्रवासन शहरी आबादी को बढ़ाता है, आर्थिक गतिविधि, आवास और सेवाओं को प्रभावित करता है।*

Q. जनसंख्या वृद्धि और जनसंख्या परिवर्तन के बीच अंतर करना

दृष्टिकोण	***जनसंख्या वृद्धि***	***जनसंख्या परिवर्तन***
परिभाषा	*एक अवधि में जनसंख्या में वृद्धि*	*जनसंख्या में कोई परिवर्तन (वृद्धि/ कमी)*
फ़ोकस	*परिमाण और वृद्धि की दर*	*जन्म, मृत्यु और प्रवास*
माप	*पूर्ण संख्या और प्रतिशत वृद्धि दर*	*इसमें विकास, गिरावट और पुनर्वितरण शामिल है*

Q. व्यावसायिक संरचना और विकास के बीच संबंध

- ***व्यावसायिक संरचना:*** *प्राथमिक (कृषि), माध्यमिक (उद्योग), और तृतीयक (सेवा) क्षेत्रों में जनसंख्या का वितरण।*
- *विकसित क्षेत्रों **में,** उद्योग और सेवाओं **में अधिक लोग कार्यरत हैं**, जो आर्थिक विकास का संकेत देते हैं।*
- *ग्रामीण/ अविकसित क्षेत्रों **में**, अधिकांश कृषि में काम करते हैं, जो कम आर्थिक विविधीकरण दिखाते हैं।*

Q. स्वस्थ आबादी होने के लाभ

I. *उत्पादकता और आर्थिक विकास **में वृद्धि**।*
II. *कम बीमारियों के कारण **स्वास्थ्य देखभाल की लागत** में कमी।*
III. *जीवन की **बेहतर गुणवत्ता** और दीर्घायु।*
IV. *विकास परियोजनाओं के लिए **मजबूत** कार्यबल।*
V. ***बेहतर शिक्षा परिणाम,** क्योंकि स्वस्थ बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाते हैं।*

प्र. राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (एनपीपी) 2000 की महत्वपूर्ण विशेषताएं

I. ***14 वर्ष की आयु तक** नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा।*
II. *शिशु मृत्यु दर **को प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 30 से कम** करना।*
III. *बच्चों के लिए **सार्वभौमिक टीकाकरण** प्राप्त करें।*
IV. *लड़कियों के लिए विलंबित विवाह को **बढ़ावा दें**।*
V. *स्वैच्छिक और जिम्मेदार परिवार नियोजन **को प्रोत्साहित करें**।*
VI. *जन-केंद्रित परिवार कल्याण कार्यक्रमों **पर ध्यान दें**।*

RAHUL MISHRA